एक नजर में

रास्ते के विवाद में चली लकड़ी और डंडे

शुजालपुर। पुलिस थाना सिटी क्षेत्र अन्तर्गत नरोला गांव में रास्ते के विवाद में गुरूवार को दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। इस विवाद में लकड़ी डंडे व फावडे से मारपीट की गई। इस खूनी संघर्ष का वीडियों भी सोशल मीडिया पर सामने आया जिसमें लकड़ियों से कुछ लोग हमला करते हुए नजर आ रहे है। पुलिस के अनुसार यह विवाद खेत पर जाने वाले रास्ते पर पत्थर डालने की बात पर शुरू हुआ और काफी बढ़ गया। पुलिस ने फरियादी प्रेमसिंह मालवीय निवासी नरोला की शिकायत पर रईस बेग, अनस बेग, लाला बेग सभी पिता रज्जाक बेग, आमीन बेग पिता रईस बेग एवं नामदार बेग पिता रज्जाक के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। इस विवाद में राजकुमार, इमरत व प्रेमनारायण को चोटे आई। जिसमें से इमरत की हालत गंभीर होने से उसे प्राथमिक उपचार के बाद रैफर किया गया, इस विवाद के चलते गांव में तनाव उत्पन्न हो गया।

सिंधी समाज ने मनाया झुलेलाल जन्मोत्सव

शुजालपुर। सिंधी समाज ने अपने आराध्य देव भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। चेटीचंड पर्व के चलते शुजालपुर में शुक्रवार को सिंधी समाज ने विभिन्न धार्मिक आयोजन किए। शुक्रवार की सुबह शहर में समाजजनों ने भगवान झुलेलाल के जयकारों के साथ दो पहिया वाहन रैली निकाली, जो कि ब्रजनगर कॉलोनी स्थित झुलेलाल मंदिर पर सम्पन्न हुई। समाजजनों ने दोपहर में सिंधी धर्मशाला पर भंडारे का आयोजन किया, साथ ही शाम को शहर में चल समारोह निकाला गया, जो कि प्रमुख मार्गो से गुजर। इस दौरान भगवान की झांकी भी सजाई गई।

वीरता की मिसाल अवंतीबाई लोधी को मक्सी में किया नमन

मक्सी। वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का बलिदान दिवस मक्सी में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोधी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे और वीरांगना को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध राजपूत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल सिंह राजपूत मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समाजजनों ने उनके सान्निध्य में रानी अवंती बाई के बलिदान और वीरता को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रानी अवंती बाई लोधी ने 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफअदम्य साहस का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने अंतिम सांस तक अंग्रेजों के सामने सिर नहीं झुकाया और वीरता की अमिट मिसाल कायम की। कार्यक्रम में मक्सी नगर परिषद उपाध्यक्ष मोड़ सिंह लोधी, पार्षद दिलीप लोधी, अशोक लोधी, निलेश लोधी, राहुल केरवाल, लक्ष्मीनारायण लोधी, चंदन कोठारी, भारत लोधी, जितेंद्र लोधी, माधव लोधी, अजय लोधी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण श्रद्धा, गौरव और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा।

भारतीय परंपराओं का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी

शुजालपुर। जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुड़ी पड़वा पर्व शुक्रवार को हर्षोल्लास एवं पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष आलोक खन्ना ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ। राजेश कुमार शर्मा, क्रीड़ा अधिकारी देवेंद्र कुम्भकार, खिलाड़ी, महाविद्यालय स्टाफएवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नन्ही कन्याओं का किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान मंत्री परमार ने नन्ही कन्याओं का तिलक कर उनका सम्मान किया, उन्हें चुनरी ओढ़ाई और उपहार भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा किया गया, जो निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन के लिए प्रयासरत है। उपस्थित अतिथियों एवं नागरिकों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे भारतीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। आयोजन में छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम का उत्साह और अधिक बढ़ गया।

सुनेरा में ट्रैक्टर गड्ढे में गिरा

शाजापुर। जिले के ग्राम सुनेरा में एक ट्रैक्टर के गड्ढे में गिरने की घटना सामने आई है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और आपातकालीन सेवा डायल 112 की टीम ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को तुरंत संभाल लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुनेरा निवासी महेश पिता जगन्नाथ धाकड का ट्रैक्टर अचानक असंतुलित होकर एक गड्ढे में जा गिरा। घटना के तुरंत बाद डायल 112 को इसकी सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होते ही एफआरवी वाहन तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा। टीम में शामिल पुलिसकर्मी बैजनाथ सिंह 253 और वाहन के पायलट महेंद्र सिंह जादौन ने मौके पर पहुंचकर बिना समय गंवाए रेस्क्यू कार्य शुरू किया।

बकरी चरा रहे परिवार पर मधुमक्खियों का हमला, 4 जखमी

अचानक हुई घटना से संभलने का नहीं मिला मौका, घायल जिला अस्पताल में भर्ती

शाजापुर। रोजमर्रा की तरह जंगल में बकरियां चराने गया एक परिवार शुक्रवार को अचानक मधुमक्खियों के खौफनाक हमले का शिकार हो गया। जंगल में स्थित एक देव स्थान पर किसी श्रद्धालु द्वारा जलाई गई धुनी के धुएं से भड़कीं मधुमक्खियों ने परिवार पर इस कदर कहर बरपाया कि चीख पुकार मच गई। इस जानलेवा हमले में एक ही परिवार के चार सदस्य बुरी तरह घायल हो गए हैं, ग्रामीणों की सतर्कता से उनकी जान बच सकी और फिलहाल सभी का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोपीपुर लोहरवास की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव का एक परिवार शुक्रवार को अपनी बकरियां लेकर पास के जंगल में गया हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों ने बताया कि जंगल में स्थित एक बड़े पेड़ पर मधुमक्खियों का विशाल छत्ता लगा हुआ था। उसी पेड़ के नीचे स्थित देव स्थान पर किसी ने धुनी लगा दी थी जिसके धुएं और हवा के झोंके के कारण मधुमक्खियां अचानक उग्र हो गईं और उन्होंने पास ही मौजूद मदनलाल 70 वर्ष, उनकी पत्नी उमराव बाई 65 वर्ष, रोहित 17 और शिवानी 18 वर्ष पर हमला बोल दिया। यह हमला इतना भीषण था कि पीड़ितों को वहां से भागने या संभलने तक का मौका नहीं मिला। मधुमक्खियों के झुंड ने उन्हें घेरकर शरीर पर कई जगह डंक मारे।

अस्पताल में उपचार के दौरान घायल।

ग्रामीणों ने देशी जुगाड़ से बचाई जान...

मधुमक्खियों के हमले से घबराए घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद अन्य ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने समझदारी दिखाई और तुरंत घास फूस जलाकर धुआं किया। अन्य देसी तरीकों और धुएं की मदद से किसी तरह मधुमक्खियों को वहां से भगाया गया और घायलों को उनके चंगुल से छुड़ाया गया।

इमरजेंसी वार्ड में चल रहा उपचार...

घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को एक वाहन के जरिए शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बिना देरी किए इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर लिया है। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि मधुमक्खियों के जहर डंक के कारण घायलों के शरीर पर काफी सूजन आ गई है और उन्हें तेज बुखार की शिकायत है। हालांकि राहत की बात यह है कि फिलहाल सभी की हालत स्थिर बनी हुई है और वे विशेषज्ञ डॉक्टरों की सघन निगरानी में हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सात प्रकरणों में 11 कारोबारियों पर 9 लाख का जुर्माना

कहीं अवमानक पाई खाद्य सामग्री तो कहीं बिना लायसेंस व पंजीयन के चलते भी पाया कारोबार

सोयतकलां। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत की गई कार्रवाई में अपर जिला मजिस्ट्रेट एवं पदेन न्याय निर्णयन अधिकारी आरपी वर्मा द्वारा अलग अलग निर्णय आदेश पारित करते हुए कुल 7 प्रकरणों में 11 कारोबारियों पर 9 लाख रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

जानकारी के अनुसार 18 मार्च के निर्णय आदेश में 3 प्रकरणों में 6 कारोबारियों पर कुल 5 लाख रुपए तथा 11 मार्च के निर्णय आदेश में 4 प्रकरणों में 5 कारोबारियों पर 4 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। सभी मामलों में कार्रवाई तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी आगर केएल कुंभकार द्वारा की गई थी। 18 मार्च के निर्णय आदेश अनुसार जोजन सिंह एवं सुमेरसिंह निवासी जस्सा खेड़ी द्वारा कानड़ नगर के पुराने बस स्टैंड स्थित श्री कृष्ण डेरी से दूध एवं आइसक्रीम का व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा 5 अप्रैल 2024 को चौकोबार आइसक्रीम एवं पनीर के नमूने लिए गए, जिनमें पनीर अवमानक पाया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 51 एवं 58 के तहत दोषी पाए जाने पर 1 लाख रुपए का अर्थदंड लगाया गया।

एक-एक लाख रुपए का अर्थदंड

26 जून 2024 को सचिन जाट निवासी नांदना द्वारा तेज, किराना, मोदी चौराहा सुसनेर पर बिना खाद्य लाइसेंस खाद्य सामग्री का व्यवसाय संचालित करना पाया गया। धारा 55 एवं 58 के तहत 1 लाख रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। वहीं 11 मार्च 2026 के निर्णय आदेश अनुसार 24 फरवरी 2024 को जांच में सुरेश पाटीदार निवासी पड़ाना नलखेड़ा बिना खाद्य लाइसेंस के अवमानक मिश्रित दूध का कारोबार करते पाए गए। धारा 51 एवं 58 के तहत 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

बिना लाइसेंस कर रहे मावा और नमक का निर्माण

26 नवंबर 2024 को चलित लैब जांच में रामसिंह धाकड़ निवासी सेमली नलखेड़ा बिना पंजीयन मावा निर्माण एवं विक्रय करते पाए गए, धारा 55 एवं 58 के तहत 1 लाख रुपए का अर्थदंड लगाया गया। इसी तरह 4 जुलाई 2023 को शिकायत के आधार पर चैन सिंह सिसोदिया निवासी जमुनिया से जांच में नमक मानक स्तर का पाया गया, किन्तु बिना खाद्य लाइसेंस कारोबार करने पर धारा 55 एवं 58 के तहत 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं 18 फरवरी 2024 को शिकायत पर टोल नान्यखेड़ी कानड़ उपतहसील के पास मांगीलाल गुर्जर एवं मालिक अर्जुन सिंह गुर्जर निवासी अमरपुरा तहसील बकानी को बिना खाद्य पंजीयन अवमानक मिश्रित दूध का टैंकर से परिवहन करते पाया गया, दोनों को धारा 51 एवं 58 के तहत 1 लाख रुपए का अर्थदंड लगाया गया।

फर्जी बिल बिल्टी से खाद्य पदार्थ परिवहन प्रकरण

23 दिसंबर को संयुक्त जांच दल द्वारा मेडतवाल ट्रांसपोर्ट सुसनेर से फर्जी बिल बिल्टी के आधार पर अमूल व्हे पाउडर, माल्टो डेक्सट्रिन एवं बेकरी प्रीमिक्स का परिवहन किया जाना पाया गया। जांच में माल के उद्देश्य एवं वास्तविक खरीदार की जानकारी नहीं दी गई तथा मिलावटकर्ताओं से मिलीभगत सामने आई। इस मामले में शैलेन्द्र जैन सुसनेर, कृष्ण मुरारी उर्फ जाजू सुसनेर, गुरुकृपा इंटरप्राइजेज इंदौर एवं मेडतवाल ट्रांसपोर्ट इंदौर को खाद्य लाइसेंस के बिना अवैध परिवहन का दोषी पाते हुए धारा 55 एवं 58 के अंतर्गत प्रत्येक पर 75-75 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

15 दिवस में जमा करनी होगी जुर्माना रशि

सभी आरोपियों को जुर्माना राशि चालान हेड 0210।04।104।0754 में एमपी ऑनलाइन चालान के माध्यम से 15 दिवस के भीतर जमा करनी होगी। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर संबंधित तहसीलदार के माध्यम से भूराजस्व संहिता एवं अधिनियम की धारा 96 के अंतर्गत वसूली एवं कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही राशि जमा होने तक संबंधित खाद्य अनुज्ञप्ति/पंजीयन निलंबित रहेगा।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर तीन लोग घायल

शाजापुर। जिले के कबूलपुर जोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां इलाज के लिए शाजापुर आ रहे बाइक सवार तीन लोगों को एक अज्ञात पिकअप वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को राजगढ़ जिले के थाना लीमा चौहान क्षेत्र के ग्राम भ्याना निवासी देवकरण 30 वर्ष पिता रामप्रसाद अहिरवार, शांति बाई 50 वर्ष पति रामप्रसाद अहिरवार निवासी भ्याना और श्यामू बाई 35 वर्ष पति ओमप्रकाश अहिरवार निवासी टूटाहेड़ी बाइक पर सवार होकर शाजापुर आ रहे थे। बताया जा रहा है कि तीनों लोग शांति बाई का इलाज कराने के लिए भ्याना से शाजापुर की ओर निकले थे, इसी दौरान रास्ते में कबूलपुर जोड़ के समीप एक तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

चित्रकूट प्रशिक्षण शिविर से लौटे विद्यार्थियों ने साझा किए अनुभव

शुजालपुर। जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे, जिनका महाविद्यालय में स्वागत किया गया।

यह शिविर चित्रकूट में आयोजित हुआ था। स्वागत कार्यक्रम के दौरान शिविर में चयनित स्वयंसेवक मनोहर सिंह, कपिल सिंह, रेनू जाटव एवं निसर्ग गायकवाड़ का अभिनंदन करते हुए महाविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की। स्वयंसेवकों ने बताया कि 8 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित शिविर में विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों को नेतृत्व विकास, व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन एवं सेवा भावना से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ। राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है और ऐसे शिविरों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र कुम्भाकर ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे शिविर से प्राप्त अनुभवों का उपयोग समाज सेवा एवं महाविद्यालय की गतिविधियों में करें। महाविद्यालय परिवार ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

आज मनाई जाएगी ईद ईदगाह में मुख्य नमाज

शुजालपुर। नगर सहित अंचलों में ईद का पर्व परंपरागत रूप से शनिवार को मनाया जाएगा। ईद उल फितर त्यौहार के मौके पर शुजालपुर शाही इमाम के मार्गदर्शन में जामा मस्जिद से ईदगाह तक मस्लिम समाजजन जुलूस के रूप में पचोर रोड स्थित ईदगाह पहुंचेगे। जहां मुफ्ती द्वारा नमाज अदा कराई जाएगी। इसी प्रकार भीमपुरा मदरसा, इस्लामपुरा अकोदिया नाका व नूरपुरा, मंडी नूरानी जामा मस्जिद में ईद की विशेष नमाज अता की जाएगी। इस पर्व के चलते घरों में नमाज के बाद सुबह से ही सिवैया, पापड़, फेनी और लजीज पकवानों का दौर शुरू होगा। शहर क़ाज़ी शुजालपुर डॉक्टर क़ाज़ी एस रहमान ने बताया कि ईद के दिन मुख्य नमाज शुजालपुर सिटी स्थित ईदगाह पर सुबह 9 बजे अदा की जाएगी, जामा मस्जिद में लोग सुबह 8 बजे तक इकट्ठा होंगे वहां से 8. 20 बजे ईदगाह पहुंचेंगे और वहां ईद उल फित्र के मुत्तालिक बयान होने के बाद ईद की नमाज अदा की जाएगी, मदरसा भीमपुरा में सुबह 8. 30 बजे, मस्जिद नूरपुरा में सुबह 9 बजे एवं मंडी की जामा मस्जिद में सुबह 9. 30 बजे ईद उल फितर की नमाज अदा होगी।

पुरानी नियुक्तियों पर पात्रता परीक्षा का दबाव अनुचित, सौंपा ज्ञापन

तहसील ऑफिस पहुंचे शिक्षक, परीक्षा रद्द करने की मांग

शुजालपुर। प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य किए जाने के विरोध में शुक्रवार को शहर के शिक्षकों ने एकजुट होकर आवाज बुलंद की। अध्यापक संयुक्त मोर्चा एवं पुरानी पेंशन योजना के लिए राष्ट्रीय आंदोलन के बैनर तले बड़ी संख्या में शिक्षक तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए परीक्षा निरस्त करने की मांग की।

ज्ञापन में शिक्षकों ने उल्लेख किया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत कार्यरत शिक्षकों के लिए दो वर्ष में शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य बताया गया है। इसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल द्वारा जारी आदेशों से प्रदेशभर में शिक्षकों के बीच असंतोष की स्थिति निर्मित हो गई है।

सरकार से हस्तक्षेप की मांग...

ज्ञापन में राज्य सरकार से आग्रह किया गया कि शिक्षक हितों को ध्यान में रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी की जाए तथा कार्यरत शिक्षकों को परीक्षा से छूट दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस दौरान जितेंद्र यादव, जसमत सिंह बेस, मनोहर सिंह यादव, शिवम नेमा, गजराज कलवा, ओमप्रकाश मेवाड़ा, गजराज सिंह चंद्रवंशी, रामदयाल प्रजापति, आशीष जाट, बीरबल मीणा, लाड सिंह कुशवाहा, दिनेश शाक्यवार, राजेंद्र सिंह राजपूत, पवन नेमा, नकुल मालवीय सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

व्यापमं के माध्यम से भी हुई थीं नियमित भर्ती

शिक्षकों ने कहा कि वर्ष 1995 से 2023 के बीच शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार शिक्षा कर्मियों एवं संविदा शाला शिक्षकों की नियुक्तियां की गई थीं। वर्ष 2005 में व्यावसायिक परीक्षा मंडल के माध्यम से भी नियमित भर्ती हुई थी। ऐसे में लंबे समय से सेवाएं दे रहे शिक्षकों पर नई पात्रता परीक्षा लागू करना उचित नहीं है।

पायनियर पब्लिक स्कूल द्वारा जल मंदिर का शुभारंभ

शाजापुर। गर्मी के मौसम में आमलोगों की प्यास बुझाने के लिए पायनियर पब्लिक स्कूल बेरछा रोड़ द्वारा परंपरागत रूप से शीतल जल मंदिर का शुभारंभ किया गया। संस्था प्राचार्य विमल जैन ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विद्यालय परिवार द्वारा स्कूल परिसर के बाहर बेरछा रोड़ पर शीतल जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन के आतिथ्य में किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से नगरपालिका सभापति प्रतिनिधि सतीश राठौर, पार्षद महेश कुशवाह, स्कूल संचालक मंगल नाहर, किशनलाल विश्वकर्मा, संस्था प्रभारी अंजू शुक्ला, विशाल परिहार, अंजू शुक्ला, सारिका भावसार, विद्या सोनी, रानी चन्द्रवंशी, फाल्गुनी सोनी, अनीता शर्मा, आंचल शुक्ला, निशा मंडलोई एवं राधिका जोशी सहित स्कूल स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे।

एक नजर में — निष्पक्ष जांच की मांग, आंदोलन की चेतावनी

नियमों की अनदेखी कर पुलिया निर्माण का आरोप, भड़के रहवासी

शुजालपुर। जामनेर में कालापीपल रोड स्थित बस स्टैंड के पास लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन पुलिया इन दिनों विवादों में घिर गई है। स्थानीय रहवासियों ने निर्माण कार्य में अनियमितता और तकनीकी मापदंडों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

रहवासियों के अनुसार पुलिया का निर्माण एक तरफा तरीके से किया जा रहा है। जहां सड़क की चौड़ाई नियमानुसार दोनों ओर से लगभग 52 फीट समान रूप से होना चाहिए, वहीं मौके पर निर्माण उत्तर दिशा की ओर अधिक बढ़ाया जा रहा है। दक्षिण दिशा में पर्याप्त जगह होने के बावजूद उस हिस्से को नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे सड़क के असंतुलित होने की आशंका जताई जा रही है।

आंदोलन की चेतावनी...

बढ़ती नाराजगी के बीच रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्माण कार्य में शीघ्र सुधार नहीं किया गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। नागरिकों का कहना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और नियमों का पालन जरूरी है, अन्यथा यही कार्य भविष्य में परेशानी का कारण बन सकते हैं।

अतिक्रमण पर भी उठे प्रश्न...

पुलिया निर्माण के साथ अतिक्रमण का मुद्दा भी सामने आया है। ग्राम पंचायत जामनेर के सचिव महेश शर्मा ने बताया कि किसी भी सड़क या पुलिया निर्माण से पहले दोनों ओर से अतिक्रमण हटाकर समान चौड़ाई सुनिश्चित करना आवश्यक होता है। यदि अतिक्रमण को नजरअंदाज किया गया तो भविष्य में यातायात और जल निकासी दोनों प्रभावित होंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच, दोनों ओर से 52 फीट समान चौड़ाई सुनिश्चित की जाए तथा लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई।

बारिश में बढ़ सकती हैं परेशानी...

स्थानीय नागरिकों ने आशंका जताई है कि यदि इसी प्रकार निर्माण जारी रहा तो बारिश के दौरान जल निकासी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। क्षेत्र में पूर्व में भी जलभराव की स्थिति बन चुकी है, जिससे लोगों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अधूरे या असंतुलित निर्माण से समस्या और विकराल होने की संभावना है।